क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रेस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक

क्रांति समय

RNI.No.: GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्षः 1 अंकः 197, शुक्रवार, 10 अगस्त, 2018, पेजः 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिसः- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नेशनल हेराल्ड केस में बढ़ सकती हैं सोनिया और राहुल की मुश्किलें

नई दिल्ली।

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ सकती है। जानकारी मुताबिक नेशनल हेराल्ड मामले में आयकर विभाग के जुर्माना लगाने के बाद केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय ने इस संबंध में एक नोटिस जारी कर बिल्डिंग खाली करने को कहा है। जिसके बाद यंग इंडिया कंपनी के मुख्यालय हेराल्ड हाउस पर जब्ती की तलवार लटक गई है। अब माना जा रहा है कि मंत्रालय की इस कार्रवाई से सोनिया और राहुल की मुश्किलें बढने के आसार हैं। इससे पहले मई में नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और उपाध्यक्ष राहुल गांधी को तब झटका लगा था, जब दिल्ली हाई कोर्ट ने यंग इंडिया कंपनी की जांच इनकम टैक्स द्वारा कराए जाने को हरी झंडी दी थी। आयकर विभाग ने कोर्ट के सामने कहा कि ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने एसोसिएट जर्नल लिमिटेड को 99 करोड़ रुपये दिए थे। राहुल गांधी ने जानबूझकर यंग इंडिया (वाईआई) में अपने निदेशक पद के बारे में खुलासा नहीं किया था। बता दें कि भारतीय जनता पार्टी के नेता व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने वाईआई द्वारा एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के अधिग्रहण में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि गांधी परिवार हेराल्ड की संपत्तियों का गलत ढंग से इस्तेमाल कर रहा है। भाजपा नेता ने 2012 में इसे लेकर शिकायत दर्ज करवाई थी। इसके बाद लंबी सुनवाई के बाद 26 जून 2014 को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी के अलावा मोतीलाल वोरा, सुमन दूबे और सैम पित्रोदा को समन जारी कर पेश होने के आदेश जारी किए थे, तब से यह मामला कोर्ट में चल रहा है।

डिप्टी चेयरमैन हरिवंश के पहले संबोधन पर हंसी के ठहाकों से गूंज उठा सदन

नेशनल डेस्क।

जदयू के राजयसभा सदस्य हरिवंश नारायण सिंह उच्च सदन के डिप्टी चेयरमैन चुन लिए गए हैं। उन्होंने यूपीए के प्रत्याशी बीके हरिप्रसाद को हराकर यह मुकाम हासिल किया। वहीं हरिवंश के चुनाव जीतने के बाद सदन में एक मौका ऐसा भी आया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित सभी लोग जोर जोर से हंस पड़े। दरअसल सभापति वेंकैया नायडू ने डिप्टी चेयरमैन हरिवंश को राज्यसभा के आसन पर बैठने के लिए आमंत्रित किया। हरिवंश ने आसन पर पहुंचकर हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया। आसन संभालने के बाद उनकी पहली लाइन थी सदन की कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है। जिसे सुन तमाम दलों के सांसद जोर-जोर से हंसने लगे। इसी बीच पीएम भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए और वह भी मेज ठप-ठपाकर हंस पड़े। इससे पहले डिप्टी चेयरमैन ने सभी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि मैं यकीन दिलाता हूं कि हम सब मिलकर सदन को निष्पक्ष और मर्यादित तरीके से चलाएंगे। इसके साथ ही हरिवंश ने अरुण जेतली के सदन आने पर खुशी जताई और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

वही पीएम ने उपसभापति को बधाई देते हुए कहा कि नौ अगस्त क्रांति दिवस है। बलिया क्रांति की भूमि है, मंगल पांडे, चंद्रशेखर की कड़ी रही है हरिवंश उसकी अगली कड़ी हैं। उन्होंने कहा कि हरिवंश उस काम के धनी हैं, जिसमें उन्होंने अपनी विशेष पहचान बनायी।

मेजर राणे का शव पहुंचने से पहले भाजपा पार्षद जन्मदिन समारोह में हुए शामिल

मुम्बई। मीरा भयंदर के लोग कश्मीर में शहीद हुए मेजर कौस्तुभ राणे के शव का जब इंतजार कर रहे थे, उस दौरान वहां के भाजपा के विधायक और दर्जन भर पार्षद अपने एक पार्षद का जन्मदिन समारोह मना रहे थे जिसका वीडियो वायरल हो गया। एक मराठी टीवी चैनल की तरफ से प्रसारित वीडियो में दिखाया गया कि विधायक नरेंद्र मेहता और मीरा भयंदर नगर निगम के एक दर्जन भाजपा पार्षद मंगलवार की रात टाउनशिप में अपनी पार्टी के सहयोगी पार्षद आनंद मांजरेकर का जन्मदिन समारोह मना रहे हैं। मेजर राणे का शव मुंबई पहुंचने से एक दिन पहले जन्मदिन मनाया गया। वह जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ के एक प्रयास को विफल करने के दौरान शहीद हो गए थे। मेहता ने घटना पर तुरंत माफी मांग ली। उन्होंने कहा, ''जो कुछ भी हुआ (जन्मदिन समारोह) वह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसा नहीं होना चाहिए था।'' उन्होंने चैनल से कहा, ''हम सबने इसके लिए दुख जताया है। यह राजनीतिक मुद्दा नहीं है।'' यह पूछने पर कि जब पूरा टाउनशिप अपने निवासी की शहादत मना रहा था तो जन्मदिन समारोह को रद्द क्यों नहीं किया गया, इस पर मेहता ने कहा कि समारोह पहले से तय था। राकांपा प्रवक्ता नवाब मलिक ने कहा, ''भाजपा के जनप्रतिनिधियों की बेशर्मी की हद है। इस घटना ने भाजपा के सही चेहरे का पर्दाफाश किया है। पार्टी में शामिल विधायक और पार्षदों को पार्टी द्वारा निकाल दिया जाना चाहिए।

विरोध प्रदर्शन कर रहे विधायक इंजी. राशिद को पुलिस ने लिया हिरासत में

श्रीनगर। निर्दलीय विधायक इंजीनियर राशिद को गुरुवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने हिरासत में ले लिया। राशिद ने रेजीडेंसी रोड स्थित शेर-ए-कश्मीर म्यूनिसिपल पार्क से मार्च शुरू किया था। उन्हें प्रेस इन्क्लेव क्षेत्र पहुंचने से पहले कुछ समर्थकों के साथ हिरासत में ले लिया गया। विधायक ने कहा कि यह प्रदर्शन युवक मुरफद शाह की योजनाबद्ध हत्या के विरोध में था, जिसे पिछले सप्ताह सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के जम्मू निवास पर सुरक्षाबलों ने मार गिराया था। पुलिस ने कहा था कि युवक ने सुरक्षा घेरे का उल्लंघन किया थाण् हालांकि मृतक के पास से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ था।

कुमारस्वामी के शपथग्रहण पर खर्च हुए लाखों रुपए, केजरीवाल का बिल आया 1.85 लाख रुपए

बेंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन की सरकार बनने पर जनता दल (सेक्युलर) नेता एचडी कुमारस्वामी के सीएम पद के शपथ ग्रहण समारोह में विपक्ष एकजुट हुआ था। ममता बनर्जी से लेकर मायावती, अखिलेश यादव और आम आदमी पार्टी के सीएम अरविंद केजरीवाल तक कुमारस्वामी के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे थे। वहीं कुमारस्वामी के शपथ समारोह में शिरकत करने वाले नेताओं के खर्च की आरटीआई रिपोर्ट सामने आई है जिसे देखकर आप हैरान रह सकते हैं क्योंकि यह खर्च आम आदमी की पहुंचे से काफी दूर है। आपको जानकर हैरानी होगी कि खुद को जनता का सेवक कहने वालों ने एक दिन के शपथ ग्रहण समारोह में लाखों रुपए खर्च डाले। कुमारस्वामी के शपथग्रहण में 42 बड़े नेताओं को आमंत्रित किया गया था और इसमें कुल 42 लाख रुपए खर्च हुए हैं। आम आदमी के चीफ और दिल्ली के सीएम केजरीवाल के बिल का खर्चा करीब 2 लाख रुपए तक पहुंच गया। केजरीवाल ने ताज वेस्ट एंड में 23 मई को सुबह 9:49 बजे चेक इन किया और 24 मई को सुबह 5:34 बजे चेकआउट किया। केजरीवाल के कर्नाटक आने के दिन से लेकर दिल्ली वापिस जाने तक खाने-पीने में 71,025 रुपए और बेवरेज के 5000 रुपए का बिल बना है आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर 8,72,485 रुपए खर्च किए गए हैं। जेडी(एस) आई निशाने पर केजरीवाल का समर्थन करते हुए आप के कर्नाटक संयोजक पृथ्वी रेड्डी ने कहा कि जिस पार्टी ने आमंत्रित किया था उसे पूरा खर्चा उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिल अदा करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। पार्टी के प्रवक्ता अश्वथ नारायण ने कहा कि 42 लाख रुपये जेडीएस के खाते से वसूल करने चाहिए। वहीं राज्य सरकार की पूर्व लोकायुक्त जस्टिस संतोष हेगड़े ने कहा कि जहां सरकार को अपने राज्य के विकास पर खर्च करना चाहिए वही इस तरह पैसों की बर्बादी की इजाजत नहीं मिलनी चाहिए।

यूनिवर्सिटी प्रबंधन के विरुद्ध सडक़ों पर उतरे कॉलेज के छात्र

कठुआ।

जम्मू यूनिवर्सिटी पर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कॉलेज के विद्यार्थियों ने वीरवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कॉलेज मार्ग को अवरुद्ध करते हुए विवि प्रबंधन के खिलाफ अपना रोष दर्ज करवाया और चेतावनी दी कि अगर रि वैल्यूशन के परिणाम घोषित न किए गए तो विद्यार्थी सडक़ों पर अपना आंदोलन तेज करने को मजबूर हो जाएंगे। प्रदर्शनकारियों में जीवन ज्योति ने कहा कि विवि प्रबंधन ने रि वैल्यूशन पहले और तीसरे सेमेस्टर सहित अन्य के परिणाम अब तक घोषित नहीं किए हैं। पिछले तीन माह से विद्यार्थी परिणामों का इंतजार कर रहे हैं लेकिन अब तक इस दिशा में कोई कदम प्रबंधन द्वारा नहीं उठाए गए।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मांग है कि दाखिला लेने से पूर्व ही इसके परिणाम घोषित किए जाने चाहिए। इसी मांग को लेकर वे प्रशासन के माध्यम से विवि प्रबंधन को ज्ञापन भी भेज चुके हैं लेकिन अब तक इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाए गए।

उन्होंने कहा कि दस क्रेडिट वालों को आटर्स में दाखिला मिल रहा है कि जबकि अन्य साइंस स्ट्रीम में दाखिला नहीं दिया जा रहा।

जंतर-मंतर पर बोले राहुल- प्रधानमंत्री मोदी के दिल में दलितों के लिए जगह नहीं

नेशनल डेस्क।

एससी/एसटी एक्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले और आरक्षण सहित अन्य मामलों को लेकर आज ऑल इंडिया आंबेडकर महासभा ने भारत बंद को फिलहाल टाल दिया है। हालांकि देशभर के अलग-अलग राज्यों में शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन किया जा रहा है । दलित संगठन जंतर-मंतर पर अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं जहां कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी भी शामिल हुए। राहुल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी की सोच दलित विरोधी है। सभी दलित और कमजोर वर्गों के लोग जानते हैं कि प्रधानमंत्री के दिल और मन में दलितों के लिए कोई स्थान नहीं है और वह दलितों को दबाना चाहते हैं। इसी कारण से हम उनके खिलाफ खड़े हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने इस बात पर भी जोर दिया कि उनकी पार्टी एक ऐसे भारत के लिए संघर्ष करेगी जहां सभी के लिए स्थान हो। राहुल गांधी ने कहा कि अत्याचार निरोधक कानून उनकी पार्टी लेकर आयी थी और पार्टी सभी के साथ उसका संरक्षण करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि उन राज्यों में जहां भाजपा शासन में है वहां दलितों को खुलेआम पीटा जा रहा है और दबाया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम ऐसा भारत नहीं चाहते। हम एक ऐसा भारत चाहते हैं जिसमें सभी के लिए रहने का स्थान हो, जहां दलितों, गरीब, आदिवासियों या अल्पसंख्यकों सभी प्रगति करें। हम एक ऐसे भारत के लिए संघर्ष करेंगे। बता दें कि इसी साल 21 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम (एससी/एसटी एक्ट 1989) के तहत दर्ज मामलों में तत्काल गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी।

मांगों को लेकर हजारों आर.ई.टी. टीचर्स उतरे सडक़ों पर, धक्का-मुक्की में कई घायल

जम्मू।

सातवें वेतन आयोग और सैलरी डी-लिंक करने की मांग को लेकर वीरवार को हजारों की संख्या में रहबर-ए-तालीम अध्यापकों ने राज्यपाल भवन की कूच किया लेकिन पुलिस ने डोगरा चौक में रोक लिया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की जिसके उपरांत पुलिस ने रहबरे तालीम अध्यापकों को गिरफ्तार कर लिया। जे एंड के आर.ई.टी. टीचर्स फोरम के बैनर तले वीरवार की सुबह हजारों की संख्या में जम्मू संभाग के सभी जिलों के रहबरे तालीम अध्यापक एकत्रित हुए और अपनी मांग को लेकर सरकार विरोधी नारेबाजी करने लगे। फोरम के राज्य अध्यक्ष विनोद शर्मा के नेतृत्व में जब रहबरे तालीम गवर्नर हाऊस की ओर मार्च करने लगे तो थोड़ी दूरी पर डोगरा चौक में पुलिस ने उन्हें रोक लिया। रहबरे तालीम अध्यापकों की रैली को देखते हुए प्रशासन ने पहले से भारी पुलिस बल को वहां पर तैनात किया था। रोष रैली शुरू करने से पूर्व फोरम के राज्य अध्यक्ष विनोद शर्मा ने सर्व शिक्षा अभियान के तहत लगे रहबरे तालीम अध्यापकों को सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों का लाभ देने और उनके वेतन को राज्य में डी-लिंक करने में देरी को लेकर सरकार को कोसा। विनोद शर्मा ने आरोप लगाया कि सरकार उनकी मांगों को लेकर देरी की नीति अपना रही है। रहबरे तालीम अध्यापकों पिछले कई वर्षों से वेतन को स्टेट बजट में डीलिंक करने की मांग उठा रहे हैं लेकिन उनकी मांग पर कभी गौर तक नहीं किया। इसके चलते आर.ई.टी. टीचरों के वेतन में कई-कई माह विलम्ब किया जाता है। उन्होंने कहा कि रहबरे तालीम अध्यापकों के मुद्दों को लेकर हर स्तर के अधिकारियों तक पहुंचाया गया। जम्मू और कश्मीर प्रांतों में अनेकों बार प्रदर्शन किए और सडक़ों पर धरने लगाए परंतु इसके बावजूद न तो केंद्र और न ही राज्य की पूर्व की सरकारों का दिल पसीजा। फोरम के अन्य नेताओं ने भी रहबरे तालीम अध्यापकों के मुद्दों को जोरशोर से उठाया और कहा कि अध्यापकों के प्रदर्शन के कारण बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है लेकिन सरकार पर कोई असर नहीं हो रहा है। रहबरे तालीम अध्यापकों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की में कई आर.ई.टी. टीचर्स घायल हो गए, जिसके उपरांत नजम जाफरी, सुखदेव सिंह सुम्बरियाख् गुलजाबीर डैंग, नरेश शर्मा, राजेश जम्वाल, शाम शर्मा, राज कुमार दूबे, सुकेश खजूरिया, महेश कुमार, अरविन्द शर्मा, रिंक शर्मा, सज्जाद मलिक, लेखराज परिहार, मंजूर खान, सुभाष चंद्र, शाहनवाज काजमी, हरी लाल नाग, ताहिर मसूद, राकेश सिंह, दिनेश सिंह, बलवान सिंह, सुरजीत सिंह, रविन्द्र चिब, पंकज वर्मा और रविन्द्र सिंह ने गिरफ्तारियां दी। पुलिस ने गिरफ्तार किए आर.ई.टी. टीचरों को बाद में छोड़ दिया।

संक्षिप्त समाचार

केरल में भारी बारिश का कहरः भूस्खलन में 22 लोग जिंदा हुए दफन, कोचीन एयरपोर्ट बंद

कोच्चि। केरल के मलाप्पुरम और इडुकी जिलों में पिछले 24 घंटों से जारी भारी बारिश के बाद भूस्खलन की घटनाओं में 20 लोग दब कर मारे गए और नौ अन्य घायल हो गए। इन हादसों के बाद चार लोग लापता बताए जा रहे हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के अनुसार मलाप्पुरम जिले के निलांबुर में गुरूवार सुबह भूस्खलन की एक घटना में एक ही परिवार के पांच लोग जीवित दफन हो गए। राज्य में हालात इतने भयावह हो गए हैं कि कोचीन एयरपोर्ट को बंद करना पड़ा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद इन सभी को मलबे से बाहर निकाला गया और इनकी पहचान कुनही (55),गीता (24), मिथुन(17) ,नवनीत(6) और निवेध(4) के तौर पर की गई है। परिवार का एक अन्य सदस्य सुब्रमणियन(30) लापता बताया जा रहा है। सूत्रों ने यूनीवार्ता को बताया कि इडुकी जिलों में भूस्खलन की दो घटनाओं में दस लोग मारे गए हैं और नौ घायल हुए हैं और तीन अन्य लापता हैं। पिछले 24 घंटों में जिले में पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बारिश हुई है जिसकी वजह से भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी है। बारिश के कारण इदुकी जलाशय का जल स्तर काफी बढ़ गया है और सरकार अतिरिक्त पानी को छोडने का विचार बना रही है। केरल के बिजली मंत्री एम एम मणि ने मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया है। बिजली बोर्ड ने जिला प्रशासन को पहले ही कह दिया है कि वह नदी के किनारे रह रहे लोगों को मामले की जानकारी दे कि पानी छोड़े जाने की स्थिति में उन्हें क्या क्या सावधानियां बरतनी चाहिए।

क्षेत्रीय पार्टियों की आय एक साल में 347.74 करोड़ रुपए, 77 करोड़ रुपए अज्ञात स्रोतों से

नई दिल्ली। देश की 29 क्षेत्रीय पार्टियों 2016-17 के दौरान 347.74 करोड़ रुपए की आय हुई। इसमें से 77 करोड़ रुपए का आय अज्ञात स्रोतों से प्राप्त हुई, जो कुल आय का 22 प्रतिशत है। एसोसिएशन फोर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की आज जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, ज्ञात स्रोतों से प्राप्त चंदा 91.29 करोड़ रुपए रहा। यह क्षेत्रीय दलों की कुल आय का 26.25 प्रतिशत बैठता है। इनके अलावा अन्य ज्ञात स्रोतों जिनमें संपत्तियों की बिक्री, सदस्यता शुल्क, बैंकों से प्राप्त ब्याज, पुस्तकों आदि की बिक्री, पार्टी शुल्क आदि शामिल है, से 179.37 करोड़ रुपए यानी कुल आय का 51.58 प्रतिशत प्राप्त हुआ। विश्लेषण के लिए शुरुआत में 37 क्षेत्रीय पार्टियां शामिल की गईं। इनमें से महज 29 ने आयकर रिटर्न और योगदान रिपोर्ट दायर की। अज्ञात स्रोतों से प्राप्त कुल आय का 98.61 प्रतिशत यानी 76 करोड़ रुपए स्वैच्छिक योगदान के जरिए रहा। इन क्षेत्रीय दलों ने कूपनों की बिक्री से 65.60 लाख रुपए प्राप्त किए तथा उनकी अन्य आय 41.80 लाख रुपए रही।

उपसभापति चुनावः अमित शाह की इस चाल से हारी कांग्रेस

जालंधर। आज हुए राज्यसभा के उपसभापति चुनाव के लिए राजग उम्मीदवार हरिवंश को 125 मत मिले जबकि विपक्षी उम्मीदवार बी के हरिप्रसाद को 105 मत मिले। लोकसभा के बाद एक बार फिर राज्यसभा में भी भाजपा ने कांग्रेस को पटखनी दे दी है। दरअसल किसी पार्टी को यह चुनाव संसद के इस सत्र में होने का अंदाजा नहीं था। जिस तरीके से संसद सत्र के दौरान इस पर चर्चा बंद हुई थी उसे देखते हुए माना जा रहा था कि सरकार का इस सत्र में यह चुनाव करवाने का इरादा नहीं है लेकिन सरकार ने अचानक सत्र के समाप्त होने से एक दिन पहले का समय इस चुनाव के लिए निर्धारित कर लिया। विपक्ष को चुनाव के लिए तैयारी का वक्त नहीं मिला और इस बीच भाजपा ने दूसरा बड़ा पैंतरा खेलते हुए अपना उम्मीदवार मैदान में उतारने की बजाय जे.डी.यू. का उम्मीदवार मैदान में उतार दिया। भाजपा को अंदाजा था कि इस पद के लिए उसके उम्मीदवार को समर्थन हासिल नहीं होगा और किसी दूसरे सहयोगी के उम्मीदवार को इस पर समर्थन हासिल हो सकता है और भाजपा की यह रणनीति सफल होती नजर आ रही है।

नैकां नेता ने कहा कि वो आतंकी कैसा जिसने पाक में ट्रेनिंग न ली हो

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस की सीनियर महिला नेता और श्रीनगर के हब्बाकदल से विधायक शमीमा फिरदौस ने विवादित बयान दिया है। गांदरबल में महिला कार्यकर्ताओं के सम्मलेन में पहुंची शमीमा फिरदौस ने आतंकियों की हिमायत करते हुए कहा कि अगर कश्मीरी युवा पाकिस्तान से ट्रेनिंग नहीं लेता है तो उसे कैसे आतंकी कहा जा सकता है। नेकां की विधायक यहीं नहीं रुकी उन्होंने आतंकियों के बहाने केंद्र सरकार को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार कश्मीरी युवाओं को मारने के किये उन्हें आतंक का नाम दे देते हैं। आपको बता दें कि इससे पहले भी नेकां नेता बशीर अहमद वीरी ने आतंकियों का समर्थन किया था। इस दौरान बशीर ने आतंकियों को शहीद का दर्जा दे डाला था। वहीं नैकां विधायक जावेद राणा ने पीएम मोदी को दहशगतगर्द करार दे डाला।

ट्रिपल तलाक विधेयक में संशोधन को कैबिनेट की मंजूरी, मजिस्ट्रेट दे सकेंगे जमानत

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तलाक-ए-बिद्दत (एक बार में तीन तलाक) के दोषी व्यक्ति को जमानत देने के प्रावधान को विधेयक में जोड़ने की आज मंजूरी दे दी। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी। एक बार में तीन तलाक गैरकानूनी बना रहेगा और इसके लिए पति को तीन वर्ष की जेल की सजा हो सकती है। मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण विधेयक को लोकसभा ने मंजूरी दे दी थी, यह राज्यसभा में लंबित है जहां सरकार के पास संख्याबल कम है। विपक्षी दलों की मांगों में से एक इस विधेयक में जमानत का प्रावधान जोड़ना भी शामिल था। सूत्रों के मुताबिक आज जिन प्रावधानों को मंजूरी दी गई है उनके अंतर्गत अब मजिस्ट्रेट जमानत दे सकेंगे। प्रस्तावित कानून केवल तलाक ए बिद्दत पर ही लागू होगा। इसके तहत पीड़ित महिला अपने और अपने नाबालिग बच्चों के लिए गुजारे भत्ते की मांग को लेकर मजिस्ट्रेट के पास जा सकती है। पीड़ित महिला मजिस्ट्रेट से बच्चों को अपने संरक्षण में रखने की मांग कर सकती है।

संपादकीय

कामचलाऊ उपाय

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वाट्सएप की ओर से भारत में संदेश अग्रसारित करने की सीमा पांच तक सीमित करने से फर्जी खबरों, अफवाहों और भड़काऊ सामग्री के प्रसार पर लगाम लग सकेगी, इस बारे में कुछ कहना कठिन है। इसलिए और कठिन है, क्योंकि यदि किसी एक शख्स ने अफवाह या भड़काऊ सामग्री पांच लोगों तक पहुंचा दी और उन पांच ने उस सामग्री को 10–20 लोगों तक भी भेज दी तो फिर जल्द ही वह तमाम लोगों तक वैसे ही पहुंच सकती है जैसे अभी तक पहुंच रही थी। वाट्सएप ने संदेशों को आगे बढ़ाने की सीमा पांच तक सीमित करने के फैसले के साथ ही यह भी अपेक्षा व्यक्त की है कि लोग कोई संदेश–सूचना, ऑडियो–वीडियो आदि अग्रसारित करने के पहले तथ्यों की जांच कर लें। इसमें संदेह है कि सभी लोग उसकी इस अपेक्षा पर खरे उतरेंगे। अगर लोग फर्जी सामग्री के प्रति सचेत होते तो फिर वाट्सएप इस तरह की सामग्री के सबसे बड़े प्लेटफॉर्म के रूप में नहीं जाना जाता। फेसबुक के स्वामित्व वाले वाट्सएप ने संदेश अग्रसारित करने की सीमा पांच तक सीमित करके जिस तरह कर्तव्य की इतिश्री कर ली उससे लगता नहीं कि वह अपने स्तर पर झूठी और भड़काऊ बातों पर लगाम लगाने के लिए तैयार है। दुर्भाग्य से ज्यादातर सोशल मीडिया कंपनियां इसी तरह का रवैया अपनाए हुए हैं। वे अवांछित और अराजक तत्वों को हतोत्साहित करने के लिए कोई ठोस कदम उठाने के लिए तैयार नहीं। वाट्सएप की ओर से उठाए गए कदमों पर सरकार का रवैया जो भी हो, इसका इस्तेमाल करने वालों को अपने रवैये पर विचार करना चाहिए। उन्हें इस सवाल पर गौर करना चाहिए कि वाट्सएप को भारत में ही संदेशों को अग्रसारित करने की सीमा में कटौती क्यों करनी पड़ी? क्या वाट्सएप के इस कदम से दुनिया को यह संदेश नहीं जाएगा कि औसत भारतीय बिना कुछ सोचे–विचारे अपुष्ट, अधकचरी और आपत्तिजनक सूचना सामग्री का प्रसार करते हैं?1 यह सही है कि एक नया माध्यम होने के नाते सोशल मीडिया के इस्तेमाल के तौर–तरीके कहीं भी आदर्श रूप में नहीं दिखते, लेकिन यह ठीक नहीं कि भारत इस मामले में सबसे पीछे दिखे। आज जब सोशल मीडिया की गतिविधियों के जरिये देश विशेष का चरित्र चित्रण भी होने लगा है तब फिर यह जरूरी हो जाता है कि इस मंच का इस्तेमाल जिम्मेदारी और सतर्कता से किया जाए। वाट्सएप की मानें तो भारतीय अन्य देशों के लोगों के मुकाबले अधिक संदेश, फोटो और वीडियो अग्रसारित करते हैं। इसे कोई उपलब्धि कहना कठिन है, क्योंकि कुछ ही समय पहले यह बात सामने आई थी कि भारत में इंटरनेट डाटा की अच्छी–खासी खपत फालतू के संदेश और फोटो भेजने में होती है। बेहतर होगा कि जहां सरकार की ओर से यह सुनिश्चित किया जाए कि सोशल मीडिया कंपनियां अफवाह और आपत्तिजनक सामग्री के प्रसार को रोकने के कुछ ठोस उपाय करें वहीं इस नए मीडिया का इस्तेमाल करने वाले भी सजगता का परिचय दें। इस सबके साथ केंद्र और राज्य सरकारों को यह भी समझना होगा कि अफवाहों के प्रसार के लिए सारा दोष सोशल मीडिया पर ही नहीं मढ़ा जा सकता।

करुणानिधि का जाना

सामयिक/ श्री कृष्ण

करुणानिधि का राजनीतिक कौशल बेजोड़ था। अवसरों का भरपूर उपयोग करने में माहिर थे। राजनैतिक सौदेबाजी में भी बीस ही साबित होते थे। पार्टी में जिन लोगों का बढ़ता प्रभाव देखते तो उसे निष्प्रभावी करने की कला (वाइको के मामले में उन्होंने ऐसा किया) उन्हें अच्छे से आती थी। राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक गठजोड़ करने में भी उनका जवाब नहीं था। राष्ट्रीय नेताओं के मन में उनके लिए सम्मान था। चेन्नई में जब भी संकट दिखता राष्ट्रीय नेता तत्काल वहां पहुंचते थे। प्रांतीय स्वायत्तता के बड़े पैरोकारों में उनका शुमार था। जब-जब केंद्र ने राज्यों की सरकारों के अधिकार क्षेत्रमें हस्तक्षेप करने का प्रयास किया करुणानिधि अन्य राज्यों को साथ लेकर विरोध में उतर आने में तनिक देर नहीं करते थे। लेकिन वह केंद्र में सत्ता में भागीदारी की जिम्मेदारी को भी समझते थे।

चौरानवे वर्षीय एम करुणानिधि के निधन से तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा शून्य उभर आया है, और मद्रास उच्च न्यायालय ने जिस तरह उन्हें मरीना में उनके राजनीतिक गुरु सीएन अन्नादुरै की समाधि के निकट दफनाने की अनुमति दी उससे तो जैसे अन्नादुरै की विरासत भी उन्हें मिल गई। हालांकि अन्नादुरै की विरासत पर अन्नाद्रमुक दावा करती है। न्यायालय के फैसले से स्पष्ट हो गया है कि यह न्यायसंगत था। भावनात्मक पहलुओं के मद्देनजर फैसले से अप्रिय और आशंकित स्थिति टल गई। यदि फैसला विपरीत होता तो गंभीर मुद्दा बन जाता। करुणानिधि पांच बार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रहे। छह बार विधायक बने। और 1957 के बाद से वह कभी भी विधानसभा का चुनाव नहीं हारे। उस समय भी नहीं जब अपने पार्टी सहयोगी रहे एमजी रामचंद्रन के अन्नाद्रमुक का गठन कर लेने के दौरान उन्हें तेरह वर्षो का राजनीतिक वनवास भोगना पड़ा। सच तो यह है कि करुणानिधि ने राष्ट्रीय और राज्य की राजनीति पर अमिट छाप छोड़ी है। जब विपक्ष ने एकजुट होकर 1977 में इंदिरा गांधी के खिलाफ मोर्चा बांधा था, तब करुणानिधि उस संघर्ष में अग्रणी रहे। बाद में 1989 में राजीव गांधी के खिलाफ वीपी सिंह के नेशनल फ्रंट का भी उन्होंने साथ दिया। उन्होंने क्षेत्रीय दलों अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने का रास्ता दिखाया। चौदह वर्ष की आयु में ही वे द्रविड़ आंदोलन में कूद पड़े थे। फिर आजीवन इसी आंदोलन के सिद्धांतों को उन्होंने अपनी राजनीति का आधार बनाए रखा। वह पेरियार ईवी रामास्वामी नीत द्रविड़ आंदोलन के सिपाही बने और इसी दौरान सीएन अन्नादुरै की नजर उन पर पड़ी। अन्नादुरै ने उनमें द्रविड़ आंदोलन के भावी नेता की झलक देखी। करुणानिधि भी आंदोलन के नेताओं की उम्मीदों पर खरे उतरे। हालांकि करुणानिधि ने राज्य के कमजोर तबकों तथा दलितों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया लेकिन राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने कल्याणकारी नीतियों की झड़ी लगा दी। उनके नेतृत्व में राज्य सरकार ने सुनिश्चित किया कि राज्य केवल औद्योगिक पावरहाउस ही बन कर न रह जाए, बल्कि राज्य के हर तबके का चहुंमुखी विकास हो। यही कारण रहा कि भारतीय राज्यों में सामाजिक और स्वास्य संबंधी मानकों/संकेतकों के लिहाज से तमिलनाडु ऊंचे पायदान पर पहुंच गया। तमिलनाडु को देश का प्रमुख औद्योगिक राज्य बनाने का श्रेय उन्हें जाता है। चेन्नई को डेट्रायट कहा जाने लगा क्योंकि तमाम कार निर्माता कंपनियों को यहां अपनी निर्माण यूनिटें स्थापित करने का न्योता दिया गया। कह सकते हैं कि करुणानिधि के नेतृत्व में द्रमुक नेताओं और उनके कुनबों की पार्टी बन गई। करुणानिधि ने अपने परिजनों को राजनीति में आगे लाने में कोईझिझक नहीं दिखाई। ऐसा करते में उन्हें पार्टी में किसी ने कोईचुनौती दी तो उसे तत्काल दरकिनार कर दिया। वह जन्मजात योद्धा थे। बालपन से ही यह गुण उनमें दिखाई देने लगा था। आगे रहकर विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लेने के लिए उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा। मूल तमिल नाम कल्लाक्कुडी को बदल कर डालमियापुरम रखे जाने के विरोधमें प्रदर्शन के दौरान उन्होंने रेल की पटरी पर लेटने से भी गुरेज नहीं किया। उन्हें तमिलनाडु का अपमान किसी सूरत बर्दाशत नहीं था। अन्नादुरै के विश्वसनीय होने के कारण उन्हें द्रमुक के प्रथम मंत्रिमंडल में स्थान मिला। लोक निर्माण एवं परिवहन मंत्री होने के नाते उन्होंने मद्रास के पहले फ्लाईओवर का निर्माण कराया जो आज जैमिनी फ्लाईओवर के नाम से जाना जाता है। बस परिवहन के राष्ट्रीयकरण की योजना को उन्होंने मूर्ताकार किया। 1950 का दशक तमिलनाडु में ब्राह्मणवादी वर्चस्व के विरोध के समय के रूप में याद किया जाता है। द्रमुक ब्राह्मणवादी वर्चस्व के खिलाफ अन्नादुरै के नेतृत्व में मोर्चा बांधा। इस संघर्ष में दो युवाओं करुणानिधि और एमजी रामचंद्रन (एमजीआर) ने उनके कंधे से कंधे से मिलाया। एमजीआर तमिल फिल्मों के लोकप्रिय सितारे थे, जबकि करुणानिधि फिल्मों के प्रसिद्ध पटकथा लेखक। करुणानिधि के विविधतापूर्ण व्यक्तित्व थे। उनका सार्वजनिक जीवन आठ दशकों का रहा। रोचक बात यह कि लेखक और राजनीतिक कार्यकर्ता, दोनों रूपों वे आगे बढ़े लेकिन अन्ना ने उन्हें पहले अपनी पढ़ाई पूरी करने की सलाह दी। लेकिन वे राजनीति में इस कदर रच–बस गए थे कि पीछे मुड़ना गंवारा नहीं किया। उनका लोगों के साथ जुड़ाव समय के साथ गहराता गया। अनेक लोगों तो उनकी सभाओं में उनके मुंह से भाइयों और बहनों सुनने ही उमड़ पड़ते थे। एमजीआर और जयललिता भी अपने संबोधनों की शुरुआत कुछ पारंपरिक शब्दों से करते थे, लेकिन उनके बोलने में करुणानिधि जैसा ओज नहीं आ पाता था। करुणानिधि का राजनीतिक कौशल बेजोड़ था। अवसरों का भरपूर उपयोग करने में माहिर थे। राजनैतिक सौदेबाजी में भी बीस ही साबित होते थे। पार्टी में जिन लोगों का बढ़ता प्रभाव देखते तो उसे निष्प्रभावी करने की कला (वाइको के मामले में उन्होंने ऐसा किया) उन्हें अच्छे से आती थी। राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक गठजोड़ करने में भी उनका जवाब नहीं था। राष्ट्रीय नेताओं के मन में उनके लिए सम्मान था। चेन्नई में जब भी संकट दिखता राष्ट्रीय नेता तत्काल वहां पहुंचते थे। प्रांतीय स्वायत्तता के बड़े पैरोकारों में उनका शुमार था। जब–जब केंद्र ने राज्यों की सरकारों के अधिकार क्षेत्रमें हस्तक्षेप करने का प्रयास किया करुणानिधि अन्य राज्यों को साथ लेकर विरोध में उतर आने में तनिक देर नहीं करते थे। लेकिन वह केंद्र में सत्ता में भागीदारी की जिम्मेदारी को भी समझते थे। साथ ही, भागीदारी से अपनी पार्टी को लाभान्वित कराने का हुनर भी उन्हें आता था। लेकिन विडम्बना ही कही जाएगी कि अपने तमाम गुणों के बावजूद उनके परिवार में कलह उभरी। खासकर उनके दोनों बेटों–स्टालिन और अजागिरी–के बीच उभरे मतभेद मीडिया में खुलकर कर सामने आए। यह करुणानिधि ही थे जो आपस में तकरार करते अपने दोनों पुत्रों को एक साथ बनाए रख सके। करुणानिधि ने स्टालिन को पार्टी का कार्यवाहक अध्यक्ष बना दिया था, लेकिन अब उनके न रहने पर देखा जाना है कि पार्टी खासकर इन दोनों भाइयों में एकजुटता कायम रहती है, या नहीं। बहरहाल, इतना तय है कि स्टालिन ही करुणानिधि के रूप में माने जाएंगे। करुणानिधि की पुत्री कनिमोझी पर भी लोगों की नजरें रहेंगी। हालांकि उन्होंने अभी तक राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा नहीं दिखाई है, लेकिन आने वाले समय में तस्वीर साफ हो सकेगी। द्रमुक के लिए सुविधा की बात यह है कि जयललिता के बाद अन्नाद्रमुक कमजोर हुई है, वहां पार्टी स्तर पर असंतोष भी है।

आज का राशिफल

आज का राशिफल

मेष – व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ – बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन – पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क – आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह – प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या – दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला – आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक – आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु – पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर – पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ – शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन – पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

ये काहे के इंसान जिनसे भय लगे

– डॉ. दीपक आचार्य

एक जमाना था जब जंगली और हिंसक जानवरों से इंसान हमेशा भयभीत रहता था, उनसे डर के मारे दूर रहता था और हमेशा यह प्रयास करता था कि उनके नजदीक जाने का कोई मौका न आए, क्योंकि पता नहीं कब हमला कर लहूलुहान कर दे, कुछ अनर्गल बक दे, मार डाले और पूरा का पूरा कच्चा चबा जाए। इस वजह से जंगलों से होकर गुजरते समय या रात–बिरात कहीं आवागमन की विवशता पर लोग समूहों में परिभ्रमण करने को विवश थे। उस जमाने में लोग कम थे और हिंसक व क्रूर जानवरों की संख्या ज्यादा थी। साँप–बिच्छुओं और अजगरों से लेकर तरह–तरह के पशु–पक्षियों का ताण्डव अतीत में रहा है। अब न जंगल रहे, न जंगली जानवर। अब सभ्यता के तथाकथित और छद्म पहरुओं से संसार भरा है जहाँ तरह–तरह की सभ्यता, संस्कृति और नवाचारों का दिग्दर्शन हो रहा है। समय ने इतना पल्टा खा लिया है कि अब सारे जंगली, हिंसक और क्रूर जानवरों का स्वभाव आदमी में आ गया है। दुनिया में अब सबसे अधिक खूंखार और शैतान कोई है तो वह आदमी से अधिक और कोई नहीं। यह आदमी ही है जिसकी वजह से दुनिया ख़ौफज़दा है, पता नहीं आदमी कब क्या कर डाले, क्या कर गुजरे। अब आदमी का कोई भरोसा नहीं रहा। आदमी अब सब कुछ कर सकने को स्वतंत्र है, स्वच्छन्द और उन्मुक्त है। उसका विश्वास अपने स्वार्थ और खुदगर्जी पूरी होने में ही सिमटा है। आदमी को जितना अधिक सामाजिक प्राणी समझा जाता रहा है वह समझ समाप्त हो गई है। साम्राज्यवाद, आतंकवाद, हिंसा, रक्तपात, घोर पाशविकता और अपने लिए जीने की जिस मनोवृत्ति को आधार बना कर आदमी जी रहा है उसने समाज, देश और दुनिया का कबाड़ा कर डाला है। आज का देशज और वैश्विक माहौल सभ्यता, अहिंसा, संतोष, सद्भाव और शांति की जितनी खिल्ली उड़ा रहा है उसने मानवता के सारे प्रतिमानों को ध्वस्त कर दिया है। सब कुछ ऐसा हो रहा है जैसे कि आदमी जंगलराज की ओर लौट रहा और कबीलाई युग की पुनर्स्थापना में जुटा है। बात दुनिया के किसी कोने की हो या अपने आस–पास की। सब तरफ कुछेक लोग ऐसे दिखने में आ ही जाते हैं जिनके बारे में कहा जाता है कि ये बदतमीज लोग दूसरों को भयभीत, दु:खी और तनावग्रस्त करने के लिए ही पैदा हुए हैं। कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें देखकर भय लगता है, कुछ के पास जाने से लोग कतराते हैं और उनसे दूर रहने में ही खैरियत समझते हैं। बहुत से लोग हैं जिनके आगमन की आहट से ही माहौल में भय, तनाव और विषाद फैल जाता है और लोग चाहते हैं कि ऐसे खूंखार इंसानों से जितनी जल्दी हो, मुक्ति पा ली जाए, उतना ठीक। बहुत सारे लोग अपने आपको सहृदय, सहिष्णु, धीर–गंभीर, सर्वस्पर्शी, संवेदनशील और विनयी बताने में कोई कसर नहीं रखते मगर हकीकत यह है कि यह सब उनकी ओढ़ी हुई चादरें होती हैं। असल में इनसे बड़े क्रूर और हिंसक लोग दूसरे नहीं हो सकते। बहुत सारे बड़े–बड़े और महान लोग अपने आपको संप्रभु–सर्वशक्तिमान सिद्ध करने के जतन करते रहते हैं लेकिन इनमें मानवता, सामाजिकता और विनम्रता का लेश मात्र भी अंश नहीं होता। इन लोगों से आस–पास वाले भी भय खाते हैं, साथ रहने वाले भी हमेशा तंग रहते हैं। इन पाखण्डी दुष्टों के लिए कई सारे नाम प्रचलित हो जाते हैं जैसे कि खडूस, सनकी, गुस्सैल, रावण, जानवर, चिड़चिड़ा, दुष्ट, नालायक, हिटलर, कुत्ता–कमीना आदि–आदि। आजकल सब जगह ऐसे–ऐसे लोग हैं जिनके बारे में लोगों की पक्की धारणा बनी होती है कि ऐसे लोग इंसान के भेस में जानवर हैं जिनमें हर तरह से वे तमाम लक्षण कूट–कूट कर भरे हुए हैं जो किसी माँसाहारी, क्रूर और हिंसक पशुओं और सरिसृपों में होते हैं। यही नहीं तो लोग इन्हें ऐसा हाईब्रिड मानते हैं जिनमें घातक जानवरों और राक्षसों दोनों के मिश्रित लक्षण पाए जाते हैं। समुदाय भर में अधिकांश लोगों के संत्रासों और तनावों का मूल कारण कोई समस्या नहीं होती, न ही किसी तरह के अभाव हैं बल्कि इनके तनावों, बीमारियों और दु:खों के महान और असाध्य कारण उस किस्म के लोग हैं जो बदतमीज हैं, जिनमें बोलने का कोई भान नहीं हैं, हमेशा दूसरों पर गुस्सा करते हुए पागल कुत्तों की तरह गुर्राते और भौं–भौं कर काटने दौड़ते हैं, साँप–बिच्छुओं की तरह हमेशा शिकार की तलाश में लगे रहते हैं अथवा आँखें लाल सूर्ख करते हुए पैंथर की तरह किसी पर भी झपट कर ऐसे उतारू रहा करते हैं जैसे कि फाड़ खाने को ही उतावले हों। बड़े से बड़ा आदमी भी आजकल जानवरों और असुरों की तरह व्यवहार करने से नहीं हिचकता। हर क्षेत्र में बहुत सारे लोग ऐसे हो गए हैं जिनके बारे में कहा जाता है कि इन लोगों को न ईश्वर का भय है, न इंसानियत से कोई लेना–देना। कई तरह से सायास–अनायास शक्ति प्राप्त कर लेने वाले तथा दूसरों के टुकड़ों पर पलने टुच्चे लोगों में यह पैशाचिक स्वभाव कुछ अधिक ही देखा जाने लगा है। अब जंगल रहे नहीं, इसलिए ये हिंसक और जहरीले जीव कहां जाएं। भगवान के घर भी यही संकट है। बार–बार मरकर इनके उपर आ जाने से परेशान भगवान ने ही लगता है कि इन्हें इंसान के खोल में ढाल कर भेज दिया है ताकि कुछ अर्से तक तो भगवान को इनसे मुक्ति मिले। इन लोगों के स्वभाव और हरकतें देख कर तो यही लगता है कि इन्हीं हिंसक जानवरों का पुनर्जन्म इंसान के रूप में हुआ है। यकीन न हो तो अपने इलाके के ऐसे दुष्ट लोगों के व्यवहार को बारीकी से देखें, अपने आप पता चल जाएगा कि इनका जिस्म कितने सारे जानवरों से मिलकर बना है। भगवान पशुपतिनाथ को प्रणाम करें और उनसे प्रार्थना करें कि पूरी जिन्दगी ऐसे लोगों से हमारा पाला न पड़े क्योंकि इन लोगों के साथ संभाषण, खान–पान और व्यवहार से भी घोर पाप लगता है और नरक मिलता है। हम अपने आपको भी देखें, अपने बारे में आत्मचिन्तन करें, कहीं हमारे व्यवहार और स्वभाव पर तो किसी हिंसक जानवर या असुर की छाया नहीं है। कहीं हमें भी तो लोग उनमें नहीं गिनते जिन्हें दुष्ट और पापी मानते हैं। वरना लोग अपनी शालीनता, भय और दबाव के कारण सामने कुछ न बोल पाएं, मगर उनकी आत्मा में तो सच को स्वीकार करने का अदम्य साहस है।

विचार मंथन

राष्ट्र की संकल्पना में भाषा की भागीदारी का सवाल

विमल कुमार, वरिष्ठ हिंदी कवि

हिंदी भूषण शिवपूजन सहाय ने लिखा है– 'राष्ट्र की जनता ही राष्ट्र की आत्मा है और राष्ट्र की भाषा ही राष्ट्र की वाणी है और राष्ट्र की भाषा ही राष्ट्र की संस्कृति की रीढ़ है'। आज जब राष्ट्रभक्ति अपने आक्रामक रूप में दिखाई दे रही हो, इस राष्ट्र की संकल्पना पर विचार करना जरूरी हो गया है। शिवपूजन सहाय आज होते, तो राष्ट्र की अवधारणा को विकृत करने की कोशिशों पर जरूर लिखते। उनकी 125वीं जयंती पर यह प्रश्न और प्रासंगिक हो गया है कि आखिर राष्ट्र क्या है? क्या जनता और उसकी भाषा हाशिए पर रख राष्ट्र का निर्माण संभव है। आजादी के बाद जिस राष्ट्र का निर्माण हुआ, उसमें जनता और उसकी भाषा की कितनी भागीदारी है? राष्ट्र के प्रश्न पर गांधी, नेहरू या अंबेडकर ने ही नहीं, हिंदी के लेखकों ने भी विचार किया है। भारतेंदु से लेकर महावीर प्रसाद द्विवेदी और प्रेमचंद, निराला ने भी राष्ट्र के स्वरूप पर विचार किया। राजनीतिज्ञों व अकादमिक जगत ने जिस तरह राष्ट्र पर विचार किया, हिंदी लेखकों ने उससे थोड़ा भिन्न ढंग से सोचा। शिवपूजन सहाय ने राष्ट्रीय चेतना के उद्बोधन के लिए संस्कृत, हिंदी और सभी भारतीय भाषाओं को साथ लेकर चलने की वकालत की थी, लेकिन राष्ट्रवादियों ने इसे छिन्न–भिन्न कर दिया और प्रगतिशीलों ने भी भाषा के सवाल को महत्वपूर्ण नहीं माना। यही कारण है कि हम आजादी के बाद जिस राष्ट्र निर्माण कार्य में लगे, उसमें न तो अपनी भाषा है और न ही अपनी जनता। शिवपूजन सहाय ने गांधी और प्रेमचंद की तरह इसी जनता को केंद्र में रखा। 1947 में अपनी पुस्तक ग्राम सुधार की भूमिका में उन्होंने लिखा– 'मैं ठेठ देहात का रहने वाला हूं, जहां नई रोशनी की सभ्यता का उजाला नही पहुंचा है। अंधेरे में पड़े हैं गांव। बहुत से हैं, जहां न अच्छी सड़क है, न स्कूल, न पुस्तकालय, न अस्पताल। न कोई सरकारी अफसर आसानी से वहां पहुंच पाता है और न कोई नेता। लेकिन सरकारी योजनाओं और कानूनों से ग्राम सुधार का कार्यक्रम शायद ही पूरा हो सके, क्योंकि सरकारी अफसरों में अभी तक गांव की भलाई का भाव ही अच्छी तरह नहीं जगा है। जब वे अपनी अफसरी भूलकर गांव वालों को अपना भाई समझने, उन्हें मिलनसारी के साथ अपनाने लगेंगे, तभी ग्राम सुधार का काम तेजी से होने लगेगा...'। शिवपूजन सहाय जैसे लोगों ने नौकरशाही के चरित्र को समझ लिया था और जानते थे कि बिना इसके न गांव का विकास होगा, न जनता का, और बिना जनता के राष्ट्र का निर्माण नहीं हो सकता। शिवपूजन जी आजादी के बाद 15 साल तक जीवित रहे। उनकी डायरियां राष्ट्रभाषा, संस्कृति तथा जनता के सवालों पर उनकी व्यथा का बयान हैं। उनकी चिंता थी कि जिस हिंदी के प्रचार–प्रसार और उसके वांग्मय को समृद्ध करने के लिए पूरा जीवन खपा दिया, क्या वह हिंदी उसी रूप में जीवित रहेगी या अंग्रेजी की अनुचर बनकर रह जाएगी? इस सवाल पर वह नेहरूजी की नीतियों के कटु आलोचक थे। पुरुषोत्तम दास टंडन से हुई अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए वह लिखते हैं कि हिंदी की वर्तमान स्थिति के लिए नेहरूजी जिम्मेदार हैं। उल्लेखनीय है कि निराला भी नेहरू को लेकर आलोचनात्मक रवैया रखते थे। नेहरू भले राहुल सांकृत्यायन की विद्वता के कायल थे, लेकिन भाषा के सवाल पर राहुलजी, शिवपूजन सहाय और निराला साथ थे। इसका एक कारण यह रहा कि हिंदी लेखक जिस राष्ट्र की कल्पना कर रहे थे, वह नेहरू की जगह गांधी के अनुरूप अधिक था। आजादी के बाद आधुनिकतावादी लेखकों की जो जमात पैदा हुई, उसके नायक नेहरू थे और अज्ञेय इसके बड़े उदाहरण हैं। इस आधुनिक राष्ट्र में शहर अधिक था, मध्यवर्ग अधिक था, लेकिन कालांतर में जो राष्ट्र बना, उसमें गांव तिरोहित होता गया और धीरे–धीरे नई आर्थिक नीति के बाद एक दूसरा ही राष्ट्र बना, जहां हर चीज बाजार से नियंत्रित होने लगी और भाषा भी हाशिए पर चली गई। आज जो संकट है, उसका मूल कारण है कि उसमें राष्ट्र की जनता, जो शिवपूजन सहाय के शब्दों में राष्ट्र की आत्मा थी, कराह रही है। राष्ट्रवादियों को समझना होगा कि जनता और उसकी भाषा के उत्थान के बगैर किसी राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

आई.डी.बी.आई. बैंक के एल.आई.सी. द्वारा अधिग्रहण का रास्ता साफ

मुंबई। आई.डी.बी.आई. बैंक का बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एल.आई.सी.) द्वारा अधिग्रहण करने का रास्ता साफ हो गया है। आई.डी.बी.आई. बैंक इस संबंध में सरकार से मंजूरी मिल गई है। बैंक में सरकार की हिस्सेदारी घटाकर 50 प्रतिशत से नीचे लाने तथा आई.डी.बी.आई. बैंक के एल.आई.सी. द्वारा अधिग्रहण के प्रस्ताव को सरकार की मंजूरी मिल गई है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इससे पहले इसी महीने कर्ज बोझ तले दबे आई.डी.बी.आई. बैंक की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी का एल.आई.सी. द्वारा अधिग्रहण करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

आई.डी.बी.आई. बैंक ने कहा कि एल.आई.सी. द्वारा उसमें नियंत्रक हिस्सेदारी का अधिग्रहण तरजीही शेयर निर्गम की खुली पेशकश के जरिए किया जाएगा। इसके लिए नियामकीय मंजूरियां ली जानी हैं।

यह सौदा पूरा होने के बाद आई.डी.बी.आई. बैंक एल.आई.सी. की अनुषंगी बन जाएगा।

मेजें थपथपाकर सांसदों ने किया जेटली का वेलकम, 16 अगस्त से फिर संभालेंगे वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री एवं सदन के नेता अरुण जेटली ने गुर्दा प्रत्यारोपण के बाद आज पहली बार राज्यसभा की कार्यवाही में हिस्सा लिया। वह सदन के उपसभापति के चुनाव में मतदान करने सदन में पहुंचें थे। सुबह सदन की कार्यवाही शुरु होने पर जेटली ने जैसे ही सदन में प्रवेश किया तो पक्ष-विपक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाकर उनका स्वागत किया। जेटली ने भी हाथ जोड़कर सदस्यों का अभिवादन किया। जेटली के पास वित्त और कार्पोरेट मामलों का मंत्रालय हैं। जेटली के किडनी ट्रांसप्लांट के बाद यह दोनों मंत्रालय पीयूष गोयल संभाल रहे थे। सूत्रों के अनुसार जेटली 16 अगस्त से फिर वित्त मंत्रालय का काम काज संभालेंगे। जेटली ने हरिवंश के उपसभापति चुनाव जीतने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि हरिवंश काफी शालीन स्वभाव के हैं। वहीं सभापति एम. वेंकैया नायडू ने जेटली की सेहत के लिहाज से सदस्यों को सलाह दी कि वे पास जाकर उनसे हाथ नहीं मिलाए। उन्होंने कहा कि सदस्यों को अति उत्साह दिखाते हुए जेटली से हाथ नहीं मिलाना चाहिए और उनसे दूर से बात करनी चाहिए क्योंकि डॉक्टर ने उन्हें संक्रमण से बचने के लिए लोगों से दूर रहने की सलाह दी है इसके उपरांत सदन में आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेटली से हाथ मिलाने के लिए अपना हाथ बढ़ाया तो उन्होंने मुस्कारते अपना हाथ बढाने की बजाय दोनों हाथ जोड़कर उनका अभिवादन किया। जेटली का गत मई में गुर्दा प्रत्यारोपण हुआ था और उसके बाद से वह किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग नहीं ले रहे थे और स्वास्थ्य लाभ कर रहे थे। वह मानसून सत्र के दौरान आज पहली बार सदन में आए।उल्लेखनीय है कि 14 मई को एम्स में जेटली के किडनी प्रत्यारोपण के बाद डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी थी। दरअसल किसी भी तरह के संक्रमण से बचने के लिए जेटली को डॉक्टरों ने लोगों के संपर्क से दूर रहने को कहा है।

आर्थिक, रक्षा, सामाजिक न्याय व कानून संबंधी मुद्दों पर जेटली ने अपने ब्लॉग के जरिए सक्रीयता जारी रखी तो वहीं वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए उन्होंने कई अधिकारियों से कामकाज के सिलसिले में संपर्क किया।

वैश्विक रुख और सुस्त मांग से सोना कमजोर, चांदी तेज

बिजनेस डेस्क। कमजोर वैश्विक रुख और स्थानीय आभूषण कारोबारियों की सुस्त मांग से दिल्ली सर्राफा बाजार में आज सोना 5 रुपए गिरकर 30,560 रुपए प्रति दस ग्राम रह गया। हालांकि, सिक्का निर्माताओं और औद्योगिक इकाइयों की छिटपुट पूछचपरख से चांदी 55 रुपए सुधर कर 38,970 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। बाजार सूत्रों ने कहा कि कमजोर वैश्विक रुख के बीच खुदरा विक्रेताओं और स्थानीय आभूषण कारोबारियों की सुस्त मांग से सोने के भाव में गिरावट आई। वैश्विक स्तर पर सिंगापुर में सोना 0.20 प्रतिशत गिरकर 1,211.10 डॉलर प्रति औंस रहा जबकि चांदी 0.29 प्रतिशत गिरकर 15.36 डॉलर प्रति औंस रही। राष्ट्रीय राजधानी में, 99.9 और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 5-5 रुपए गिरकर 30,560 रुपए और 30,410 रुपए प्रति दस ग्राम पर रहा। कल सोना 20 रुपए गिरा था। हालांकि, आठ ग्राम वाली गिन्नी 24,600 रुपए प्रति इकाई पर ही टिकी रही। वहीं, दूसरी ओर चांदी हाजिर 55 रुपए सुधर कर 38,970 रुपए प्रति किलोग्राम और साप्ताहिक डिलीवरी मामूली रूप से चढ़कर 38,020 प्रति किलोग्राम हो गई। हालांकि, चांदी सिक्का लिवाल और बिकवाल क्रमश- 73,000 रुपए और 74,000 रुपए प्रति सैकड़ा के पूर्वस्तर पर रहे।

देशभर में 3.3 लाख करोड़ रुपए की आवासीय परियोजनाओं में देरी

नई दिल्ली। प्रमुख शहरों में बिक्री कारोबार में गिरावट, डेवलपरों के समक्ष नकदी का संकट तथा परियोजनाओं की मंजूरी से संबंधित मुद्दों के कारण देशभर में 3.3 लाख करोड़ रुपये (47 अरब डॉलर) से अधिक की आवासीय परियोजनाएं देरी से चल रही है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। प्रॉपइक्विटी की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इन परियोजनाओं में 4.65 लाख से अधिक आवासीय इकाइयां तैयार की जानी है जो विभिन्न कारणों से देरी से चल रही हैं। प्रॉपइक्विटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि करीब 1,687 परियोजनाएं जिनमें करीब 60 करोड़ वर्ग फुट का बिक्री क्षेत्र है, अपने तय समय से काफी विलंब से चल रही हैं। उसने कहा कि इनका वर्तमान मूल्य अभी 3,32,848 करोड़ रुपये यानी 47 अरब डॉलर से अधिक है। प्रॉपइक्विटी के संस्थापक तथा प्रबंध निदेशक समीर जसुजा ने कहा, ''इन परियोजनाओं में 2-8 साल की देरी है और इस बारे में भी अनिश्चितता है कि ये कब पूरी होंगी।''

रिपोर्ट में कहा गया, ''भारत में चुनिंदा क्षेत्र के बाजारों में रियल एस्टेट में सुधार के संकेत मिल रहे हैं हालांकि देश में 4.65 लाख से अधिक आवासीय इकाइयां तैयार होने के तय समय से काफी देरी से चल रही हैं। इन परियोजनाओं का कुल मूल्य 3.3 लाख करोड़ रुपये यानी 47 अरब डॉलर से अधिक हैं।'' रिपोर्ट में देरी का कारण वित्तीय दिक्कतें, क्रियान्वयन की चुनौतियां, डेवलपरों की महत्वाकांक्षी पेशकश के कारण आपूर्ति की अधिकता, पर्यावरणीय मंजूरियां तथा बिक्री में गिरावट आदि बताए गए हैं।

अगले माह 4 नए मार्गों पर उड़ान शुरू करेगी इंडिगो

नई दिल्ली। यात्रियों की संख्या के लिहाज से देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने 4 नए रूटों पर सेवाएं शुरू करने तथा कई अन्य मार्गों पर उड़ानों की संख्या बढ़ाने की घोषणा की है। एयरलाइन ने बताया कि वह 1 सितम्बर से कुल 24 नई उड़ानें शुरू कर रही है जिसमें अहमदाबाद-भुवनेश्वर, अहमदाबाद-वाराणसी, हैदराबाद-पटना और कोलकाता सूरत मार्गों पर वह पहली बार सेवा शुरू करेगी। इनके अलावा अगरतला-गुवाहाटी, हैदराबाद-गुवाहाटी और कोलकाता-नागपुर मार्गों पर दैनिक उड़ानों की संख्या एक से बढ़ाकर दो की जाएगी। अहमदाबाद-कोलकाता, अहमदाबाद-जयपुर और हैदराबाद-रायपुर मार्गों पर तीसरी, हैदराबाद-भुवनेश्वर मार्ग पर चौथी और अहमदाबाद-हैदराबाद मार्ग पर वह 5वीं उड़ान शुरू करेगी। हैदराबाद-कोलकाता के बीच 7वीं उड़ान शुरू की जाएगी।

ओएनजीसी को प्रवर्तक मानने का मसला: एचपीसीएल ने कहा, सांविधिक व्यवस्था पर चल रही है

नई दिल्ली। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशल लि. (एचपीसीएल) ने नए बहुलांश शेयरधारक होने के नाते प्रवर्तक के रूप में ओएनजीसी को मान्यता देने के संदर्भ में कहा है कि वह सांविधिक व्यवस्था की अपनी समझ के आधार पर काम कर रही है। इसके साथ एचपीसीएल ने ओएनजीसी की मांग एक तरह से खारिज कर दी है। एचपीसीएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश कुमार सुराना ने कहा, ''हम जो कुछ भी कह कर रहे हैं, हमने जो कुछ भी किया है और हम जो कुछ करेंगे, वह सांविधिक व्यवस्था की समझ, दिशानिर्देश तथा कंपनी कानून एवं सेबी दिशानिर्देश के अनुरूप है।'' उन्होंने कहा, ''उसके बाद कोई क्या विश्लेषण कर रहा है, यह स्थिति के बारे में उसकी समझ है। हमें उस पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है।'' एचपीसीएल में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने के बाद ओएनजीसी की प्रवर्तक के रूप में मान्यता देने की मांग के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने यह बात कही। ओएनजीसी ने इस साल जनवरी में एचपीसीएल में सरकार की पूरी 51.11 प्रतिशत हिस्सेदारी 36,915 करोड़ रुपए में खरीदी। उसके बाद एचपीसीएल कंपनी की अनुषंगी इकाई बन गई। ओएनजीसी ने एचपीसीएल प्रबंधन को पत्र लिखकर दी गई सूचना को दुरूस्त करने को लेकर कदम उठाने को कहा है ताकि कंपनी के वास्तविक प्रवर्तक का नाम प्रतिबिंबित हो। ओएनजीसी के अधिग्रहण के बाद एचपीसीएल ने शेयर बाजारों को शेयरधारिता के बारे में दो सूचनाएं दी। पहली सूचना 20 अप्रैल को और दूसरी 12 जुलाई को। सूत्रों के अनुसार ओएनजीसी को लगता है कि एचपीसीएल प्रबंधन सही तस्वीर प्रदर्शित करने के लिए सुधारात्मक कदम उठाने को बाध्य है।

गेहूं की कीमतों में बढ़ोत्तरी, आटा-बिस्कुट और ब्रेड होंगे महंगे

नई दिल्ली। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में गेहूं की कीमतों में अचानक भारी बढ़ोत्तरी हुई है, जिससे आटा और बिस्कुट विनिर्माता लागत में बढ़ोत्तरी का बोझ ग्राहकों पर डालने को मजबूर हो रहे हैं। ब्रिटानिया और पार्ले कीमतें बढ़ाने के बारे में विचार कर रही हैं। ब्रिटानिया ब्रेड और बिस्कुट दोनों में और पार्ले बिस्कुट में गेहूं का इस्तेमाल करती है। आईटीसी भी कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रही है, जो बिस्कुट और आशीर्वाद ब्रांड का आटा बनाती है। गेहूं के दाम एक महीने में 6.3 फीसदी बढ़े हैं क्योंकि गेहूं की फसल का रकबा पहले के अनुमान से 1.5 फीसदी कम रहने के आसार हैं। चालू वर्ष में सरकारी एजेंसियों ने खाद्य सुरक्षा के लिए लक्ष्य से ज्यादा गेहूं खरीदा है। इससे खुले बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध स्टॉक कम हो गया है। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक वरुण बेरी ने बताया, 'हमें कीमतों में बढ़ोत्तरी करनी होगी। हमने गेहूं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की है, लेकिन इसकी भी एक सीमा है। गेहूं की कीमतें बढने जा रही हैं, इसलिए हमें कीमतें बढ़ाने की योजना बनानी होगी। यह बढ़ोत्तरी औसतन 3 से 4 फीसदी रहने और चौथी तिमाही की शुरुआत से किए जाने के आसार हैं।' बिस्कुट और कन्फेक्शनरी बनाने वाली दिग्गज कंपनी पार्ले ने कहा कि वह कीमतों में बढ़ोत्तरी पर विचार कर सकती है। पार्ले प्रोडक्ट्स में उत्पाद श्रेणी के प्रमुख मयंक शाह ने कहा, 'इनपुट लागत में करीब 15 से 20 फीसदी बढ़ोत्तरी हो चुकी है। शुद्ध असर उत्पादन की सामग्री लागत पर निर्भर करता है, जो 8 से 12 फीसदी बढ़ा है। कुछ किस्मों में इसकी भरपाई के लिए कुछ उत्पादों की कीमतों में करीब 10 फीसदी बढ़ोत्तरी और कीमत संवेदनशील उत्पादों में 7 से 8 फीसदी बढ़ोत्तरी की जरूरत है।' पिछले साल सरकारी एजेंसियों ने 295 लाख टन गेहूं की खरीद की थी। वहीं इस साल खरीद का लक्ष्य 320 लाख टन था, लेकिन वास्तविक खरीद 350 लाख टन रही है। गेहूं उत्पादन के अनुमान को पिछले साल से 1.4 फीसदी घटाकर वर्ष 2017-18 में 971.1 लाख टन किया गया है।

सबसे बड़ी फर्नीचर कंपनी आइकिया ने भारत में खोला पहला स्टोर

हैदराबाद। फर्नीचर बनाने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनी आइकिया ने आज भारत में अपना शोरूम खोला। देश के एकल-ब्रांड खुदरा क्षेत्र में निवेश की मंजूरी मिलने के पांच साल बाद कंपनी ने अपनी यात्रा शुरू की। कंपनी ने अपने स्टोर में 950 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से और 1,500 लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार दिया है। कंपनी की आगामी वर्षों में 15,000 कर्मचारियों को भर्ती करने की योजना है। आइकिया समूह के सीईओ जेस्पर ब्रॉडिन ने कहा कि भारत में पहले स्टोर का उद्घाटन कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत के प्रति हमारी प्रतिबद्धता लंबी अवधि तक है क्योंकि यह हमारे लिए महत्वपूर्ण बाजार है। कंपनी की 2025 तक 25 ऐसे ही स्टोर खोलने की योजना है। 2013 में आइकिया को एकल-ब्रांड खुदरा कारोबार में 10,500 करोड़ रुपए का निवेश करने के लिए सरकार से मंजूरी मिली थी। आइकिया की योजना 2017 में देश में अपना पहला स्टोर खोलने की थी लेकिन इसमें देरी हुई। पहले कंपनी ने हैदराबाद में स्टोर खोलने की तारीख 19 जुलाई रखी थी। बाद में इसे बदलकर 9 अगस्त कर दिया गया। कंपनी 10,500 करोड़ रुपए में से अब तक 4,500 करोड़ रुपए भारत में विभिन्न परियोजनाओं में लगा चुकी हैं। उसने अकेले हैदराबाद स्टोर में 1,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। आइकिया ने कहा वह भारत में अपने निवेश में तेजी लाएगी। भारत में बड़े अवसर देख रहे हैं, इसलिए भारत में आगे विस्तार करने के लिए हम निवेश में वृद्धि करेंगे। खुदरा क्षेत्र के अलावा कंपनी की अगले वर्ष तक ई-कॉमर्स क्षेत्र में भी उतरने की योजना है।

अमेजॉन की फ्रीडम सेल शुरु, मिलेंगे जबरदस्त ऑफर्स और डिस्काउंट

बिजनेस डेस्क। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देश की दो बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियां फ्लिपकार्ट और अमेजॉन ने सेल की घोषणा की है। अमेजॉन की फ्रीडम सेल शुरु हो गई है जो 12 अगस्त तक चलेगी। वहीं फ्लिपकार्ट की बिग फ्रीडम सेल 10 अगस्त से शुरु होगी जो 12 अगस्त तक चलेगी। इस दौरान कई आकर्षक ऑफर और डील मिलेंगे। इस सेल में ग्राहकों को स्मार्टफोन, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन, ग्रॉसरी जैसी 200 से अधिक कैटेगरी में 2500 से ज्यादा ब्रांड्स पर 20000 से अधिक डील्स मिलेंगी। फ्रीडम सेल के दौरान ग्राहकों को इंटेल, जेबीएल, लेनोवो, सीगेट, कैनन और बॉस जैसे ब्रांड्स के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट पर 50 फीसदी तक छूट मिलेगी। अमेजॉन ने इसके लिए भारतीय स्टेट बैंक के साथ पार्टनरशिप की है। अमेजॉन पर शुरु होने वाले इस सेल में शाओमी, वनप्लस, मोटोरोला, नोकिया और वीवो समेत 25 से ज्यादा स्मार्टफोन ब्रांड्स पर 40 फीसदी तक का डिस्काउंट दिया जाएगा। इसके अलावा 4 अमेजॉन एक्सक्लूसिव स्मार्टफोन्स भी लॉन्च किए जाएगें। सेल में उषा, बॉम्बै डाइंग, प्रैस्टिज आदि होम अप्लायंस ब्रांड्स पर 70 फीसदी तक का डिस्काउंट दिया जा रहा है। अमेजॉन 2,000 से ज्यादा प्रोडक्ट्स पर 50 फीसदी तक का डिस्काउंट दिया जा रहा है। 4 दिनों तक चलने वाली इस सेल में हर रोज 10,000 से ज्यादा प्रोडक्ट्स पर 50 फीसदी से ज्यादा का डिस्काउंट दिया जा रहा है। फैशन प्रोडक्ट्स पर भी 50 से लेकर 80 फीसदी तक का डिस्काउंट दिया जा रहा है।

इनमें पूमा, यूनाइटेड कलर्स ऑफ बेनेटन, अमेरिकन टूरिस्टर आदि ब्रांड्स शामिल हैं। सेल में टीवी और अन्य होम अप्लायंस पर भी 40 फीसदी तक का डिस्काउंट दिया जा रहा है। इसके साथ 22,000 रुपए तक का एक्सचेंज ऑफर का भी लाभ मिलेगा। अमेजॉन प्राइम यूजर्स को एक्सक्लूसिव डील्स भी दिए जाएंगे। इसके साथ ही जैकपॉट ऑफर के तहत लकी यूजर्स 4 लाख रुपए तक जीत सकते हैं। अगर आप एसबीआई कार्ड इस्तेमाल करते हैं, तो आप इस सेल के दौरान 10 फीसदी ज्यादा डिस्काउंट हासिल कर सकते हैं। इसके लिए आपको सिर्फ एसबीआई डेबिट और क्रेडिट कार्ड से भुगतान करना है। हालांकि आपके ऑर्डर की न्यूनतम वैल्यू 3 हजार रुपए होनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

कर्मचारियों को तोहफा देगी मोदी सरकार, एलटीसी पर विदेश घूमना होगा आसान!

बिजनेस डेस्क। केंद्र सरकार जल्द ही केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दे सकती हैष अब सरकारी कर्मचारियों को लीव ट्रैवल कंसेशन (एलटीसी) पर विदेश की यात्रा करने का मौका मिल सकता है। सूत्रों की मानें तो लंबे विचार के बाद इस प्रस्ताव को मान लिया गया है। हालांकि केंद्रीय कर्मचारी कौन-कौन से देश जा सकते हैं, इस बारे में सरकार तय करेगी। शुरुआत में दस देशों में घूमने की अनुमति दी जा सकती है। कार्मिक व प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के अनुसार, यह सुविधा कब से और किन देशों के लिए मिलेगी, यह पीएम मोदी के निर्देश के बाद तय किया जाएगा। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस पहल के बाद जिन देशों में लाखों कर्मचारी अपने परिवार के साथ जाएंगे, वहां के संबंध भारत से मजबूत होंगे। मालूम हो कि देश के लगभग 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों को घूमने के लिए छुट्टी और ब्याज रहित अडवांस देने का प्रावधान है। अभी तक वे परिवार के साथ देश के अंदर ही घूम सकते थे। एलटीसी के तहत कर्मचारियों को टिकट के पैसे वापस मिलते हैं। डीओपीटी ने इस बारे में कहा है कि स्थानीय यात्राओं पर आए खर्च और किसी इमरजेंसी खर्च को एलटीसी के तहत स्वीकार नहीं किया जाएगा, लेकिन प्रीमियम या सुविधा ट्रेनों और तत्काल जैसी सेवाओं को एलटीसी के तहत अनुमति दी गई है।

डिफॉल्टरों के लिए ट्रिब्यूनल का अहम फैसला, बैंकों को मिलेगी राहत

बिजनेस डेस्क। आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहने वाले लोगों से जुड़े मामलों के अपीलेट ट्रिब्यूनल ने एक अहम फैसला सुनाया है। ट्रिब्यूनल के मुताबिक ऐसे लोगों की संपत्ति पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) तभी दावा कर सकता है, जब बैंकों ने कर्ज देने के लिए उन ऐसेट्स पर अपने राइट्स पहले से क्रिएट न किए हों। ट्रिब्यूनल ने विनसम डायमंड्स ऐंड जूलरी के मामले में ईडी के साथ विवाद में स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के फेवर में रूलिंग दी है। उसने कहा कि अगर गिरवी रखी संपत्ति से बैंक अपना बकाया नहीं वसूल सकेंगे तो यह इनसॉल्वेंसी ऐंड बैंकरप्सी ऐक्ट की भावना के खिलाफ होगा।ट्रिब्यूनल के चेयरमैन जस्टिस मनमोहन सिंह ने 2 अगस्त को जारी अपने आदेश में लिखा, अपील करने वाले बैंक ने अपने पास गिरवी रखी गई जिन प्रॉपर्टीज के बदले लोन दिया हो, उन्हें तब तक कुर्क या जब्त नहीं किया जा सकता है, जब तक कि प्रत्यक्ष या परोक्ष सांठगांठ की बात साबित न हो जाए। इस रूलिंग से उन बैंकों को बड़ी राहत मिल सकती है, जो ऐसे डिफॉल्टरों से पैसा रिकवर करने की लड़ाई लड़ रहे हैं, जिनके खिलाफ ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियां पैसे की हेराफेरी सहित अन्य अपराधों के आरोपों की जांच कर रही है। कई मामलों में अदालती प्रक्रिया में सुस्ती के कारण बैंकों को अपना बकाया रिकवर करने के लिए एक दशक से ज्यादा समय तक इंतजार करना पड़ता है। दिवालिया किंगफिशर एयरलाइंस से पैसा रिकवर करने में एसबीआई ऐसी ही स्थिति का सामना कर रहा है, जिसमें एजेंसियां कानूनों के उल्लंघन के लिए विजय माल्या के खिलाफ मुकदमा किए हुए हैं।

रिलायंस जियो को झटका, ZEE ने हटाए अपने सारे कंटेंट

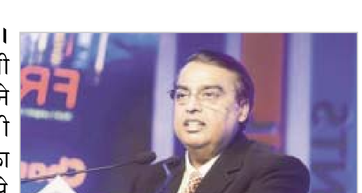

बिजनेस डेस्क। सुभाष चंद्रा की जी एंटरटेंमेंट एंटरप्राइजेज ने मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो को झटका देते हुए प्लेटफॉर्म से अपने सभी कंटेंट हटा लिए हैं। इसमें जी के 35 लाइव टीवी चैनल्स और 2 लाख घंटे से ज्यादा के वीडियो-ऑन-डिमांड कंटेंट शामिल हैं। दोनों कंपनियों ने अभी तक इसकी वजह पर चुप्पी साध रखी है। हालांकि सूत्रों ने बताया है कि दोनों कंपनियों के बीच कमर्शियल एग्रीमेंट पर सहमति नहीं बन सकी। जी मैनेजमेंट ने 6 अगस्त को रिलायंस जियो के साथ 2016 में साइन हुए मल्टी-ईयर डील को रद्द करते हुए उसके प्लेटफॉर्म से अपने कंटेंट हटाने का फैसला किया। मंगलवार को जी टीवी, जी सिनेमा, जी मराठी समेत जी के सभी 35 लाइव टीवी चैनल का प्रसारण जियो टीवी ऐप और जियो लाइव टीवी ऐप पर बंद हो गया। जियो टीवी ऐप, जियो सब्सक्राइबर्स को लाइव टीवी चैनल देखने की सुविधा देता है। इसमें 7 दिन पहले तक के टीवी एपिसोड भी देखे जा सकते हैं। जी ने इसके साथ ही नॉन-एयर शो और मूवी समेत दूसरे लाइब्रेरी कंटेंट भी हटा लिए हैं, जो मल्टी ईयर डील का हिस्सा थे। इन कंटेंट को जियो सिनेमा ऐप के जरिए जियो सब्सक्राइबर्स को ऑफर किया जाता था। जियो के प्रवक्ता ने बताया कि कंपनी अपने प्लेटफॉर्म पर कस्टमर्स को डिजिटल सर्विस, एप्लिकेशन और एंटरटेंनमेंट के विकल्पों की एक पूरी रेंज देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रवक्ता ने कहा, जियो इस सेगमेंट में मौजूद सभी कंपनियों के साथ इस तरह काम कर रही है, जिससे कंज्यूमर्स, ब्रॉडकास्टर्स सहित सबको फायदा हो।

अहमदाबाद में अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी

रनतपोल, गांधीरोड समेत के इलाको में बुलडोजर फिरा

खाडिया, कांकरिया, सारंगपुर, घाटलोडिया, विराटनगर समेत के इलाके में सभी अतिक्रमण दुर किये गए

अहमदाबाद । महानगरपालिका एवं शहर पुलिस की ओर से शुरु किया गया अतिक्रमण विरोधी अभियान गुरुवार के दिन भी जारी रहा । शहर के अलग अलग इलाकों में कार्रवाई की गई । जिसके चलते सेंकडो अतिक्रमण दुर किये गए। मनपा व पुलिस का मेगा अभियान को लेकर सनसनी फैल गई है । गैरकानूनी अतिक्रमण और पार्किंग की समस्या को दुर करने के तहत शहर में एक के बाद एक इलाको में पुलिस और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की ओर से मेगा अभियान चलाया जा रहा है । अवैद्य सेड दुर किये जा रहे है । अतिक्रमण दुर करने की कार्रवाई अलगे दिनो में भी जारी रहने के संकेत मिल चुके हैं । पिछले १०-१२ दिन से जारी अतिक्रमण हटाओ अभियान आज भी जारी रहा । जिसके चलते शहर के सलखेज, रतनपोल, गांधी रोड, खाडिया, कांकरिया, सारंगपुर, घाटलोडिया, विराटनगर, सारंगपुर सर्कल समेत के इलाको में म्युनिसिपल तंत्र का बुलडोजर चला । चुस्त पुलिस बंदोबस्त के बीच अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की ओर से ३०० से अधिक पुलिसकर्मीयों की उपस्थिति में अतिक्रमण हटाओ अभियान आज जारी रहा । प्रशासन की ओर से बड़े पैमाने पर गैरकानूनी अतिक्रमण, निर्माणकार्य दुर करते हुए रास्ते बड़े किये गए है । रतनपोल और गांधीरोड पर आज आक्रमक कार्रवाई के चलते व्यापारीयों में और दुकानदारो में दहशत का माहोल दिखा। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की ओर से बिना विचार के किए गए अतिक्रमण और गैरकानूनी निर्माण कार्य दुर करने की कार्रवाई रतनपोल में भी जारी रही । अतिक्रमण हटाओ जुंबेश के दौरान रनतपोल कपडा महाजन के प्रमुख और खजानची ने पहले से ही व्यापारियों को एक सरक्युलर जारी करते हुए सूचना दी थी की सभी दुकानों के बोर्ड जो भी शटर के बाहर है उन्हे उतार लिया जाए। यदी कार्रवाई होगी तो उसका चार्ज भी लगेगा और नुकसान भी होगा जिससे सभी व्यापारियों को बोर्ड उतार लेने की सलाह दी गई थी । व्यापारीयों और दुकानदारों को अधिक नुकसान न हो इस हेतु से यह सरक्युलर जारी किया गया था । शहर के सरखेज, कांकरीया, ओढव, नरोडा, विराटनगर समेत के इलाको में भी बुलडोजर, जेसीबी मशीने, अतिक्रमण की गाडिया देखी गई । बड़े पैमाने पर गैरकानूनी अतिक्रमण दुर किये गए । पिछले चार दिन से सरखेज इलाके में भी अतिक्रमण हटाओ अभियान चल रहा है । शहर के इतिहास में पहलीबार कोट इलाके में भी कार्रवाई की गई है । कल बुधवार के दिन शहर के कोट इलाके, भठीयारगली, पानकोरनाका, तीन दरवाजा समेत के इलाको में अतिक्रमण दुर किये गए । सामान्य रुप से रथयात्रा, मोहरम जैसे त्यौहार पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बैठके की जाती है किन्तु इसबार अतिक्रमण को दुर करने को लेकर भी मिटींगो का दौर चल रहा है।

युथ कॉंग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पालड़ी कोचरब आश्रम से गांधी आश्रम तक रैली का आयोजन किया ।

ओटोरिक्सा के लिए पिक अप और पार्किंग पॉईन्ट होंगे

ट्राफिक समस्या हल करने के दिशा में एक ओर कदम

अहमदाबाद । अहमदाबाद शहर में ट्राफिक की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर बन रही है । इसे लेकर एक और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और ट्राफिक विभाग की ओर से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। दुसरी ओर ओटो रिक्सा के पिकअप और पार्किंग पोइन्ट स्थापित करने की दिशा में भी पहल शुरु हो चुकी है। शहर में प्रथम चरण में १० हजार ओटोरिक्सा पिकअप पोइन्ट बनाने के लिए आयोजन किया जा रहा है । हाईकोर्ट की ओर से इस संबंध में किए गए दिशा निर्देश के बाद अब प्रशासन की ओर से भी तैयारिया शुरु की गई है । शहर में अलग अलग इलाको में रास्तो पर ओटोरिक्सा के चालक कही भी ओटोरिक्सा खड़ी कर देते है जिसके कारण ट्राफिक की समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है । पार्किंग के बाद पुलिस ने अब रिक्साचालकों की ओर से पार्किंग की समस्या का हल करने के लिए आयोजन किया है। ट्राफिक पुलिस ने म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और रिक्सा एसोसिएशन के वरिष्ठ लोगों के साथ मिटींग की है । जिसके चलते शहर के प्रत्येक इलाके में ओटोरिक्सा पिकअप पोईन्ट नक्की करने की दिशा में तैयारियां शुरु हो चुकी है। शहर में अंदाजित दो लाख ओटोरिक्सा है। रजिस्टर्ड ओटोरिक्सा की संख्या सिर्फ ६०,००० है।

ओटोरिक्सा के चालक की गलतियों के चलते बहुत सी समस्याएं दिखाई दे रही है । शहर में अब १०,००० ओटो रिक्सा पिकअप पोइन्ट बनाए जाएंगे । इसके बारे में ट्राफिक डीसीपी अजयराज मकवाना ने बताया कि अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और ओटोरिक्सा चालको को साथ में रखते हुए हम शहर के सभी इलाको में ओटोरिक्सा के लिए पिकअप पोइन्ट पसंद करेंगे । चार रास्ते पर ५० मीटर को छोड़कर कोई भी जगह कितनी ओटो रिक्सा खडी की जाय इसे लेकर भी परमिशन लेने के संबंध में जरुरी दिशा निर्देश जारी किये जाएंगे ।

आंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिन के अवसर पर मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी आदिजाति कार्यक्रम में उपस्थित रहे ।

सौराष्ट्र के अधिकांश इलाकों में फिर से बारिश

अहमदाबाद । लंबे ब्रेक के बाद सौराष्ट्र के बहुत से इलाको में आज फिर एकबार बारिश की शुरुआत हुई । जिसके चलते किसान समुदाय में खुशी की लहेर दौड गई है । सौराष्ट्र के अधिकांश इलाको में आज बारिश हुई जिसमें राजकोट में सबसे अधिक बारिश होने के समाचार मिल रहे है । दुसरी दौर की बारिश शुरु हो चुकी है। राजकोट से मिली जानकारी के मुताबिक कालावड रोड, महुडी समेत के इलाके में भारी बारिश हुई है। पुरे सौराष्ट्र में आज दिन भर बादल छाये रहे और बहुत से इलाको में बारिश भी हुई। द्वारका, मोडासा, सुरत, गांधीधाम, सुरेन्द्रनगर में भी बारिश दर्ज की गई है। दुसरी ओर मौसम विभाग ने बताया है कि अगले २४ घंटो में भारी बारिश हो सकती है । सौराष्ट्र, कच्छ के बहुत से इलाको में बारिश होने की संभावना व्यक्त की गई है । आज अहमदाबाद शहर में अधिकतम तापमान ३३.५ और न्यूनतम तापमान २४ डिग्री दर्ज हुआ । इस बार गुजरात के कुछ इलाको में बहुत कम बारिश दर्ज हुई है जिसमें अहमदाबाद भी शामिल है ।

हाईकोर्ट में दिए गए गारंटी के अनुसार काम शुरू

पार्किंग व्यवस्था के लिए और ४८ स्थल आइडेन्टीफाय किए गए

अहमदाबाद । शहर में पार्किंग की नई व्यवस्था और सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हाईकोर्ट के निर्देश बाद एएमसी प्रशासन द्वारा दी गई गारंटी के अनुसार आखिर में एएमसी प्रशासन ने काम शुरू किया है । शहर में नागरिकों को विशेष करके वाहनचालकों की सुविधा और पार्किंग व्यवस्था के लिए और ४८ स्थल आइडेन्टीफाय किए गए है। एएमसी प्रशासन द्वारा शहर के सभी जोन में नागरिकों को आसानी से पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध हो इस प्रकार का प्रयास किया गया है। इस मामले में कुछ ही दिनों में नई पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध कराया जाए इस दिशा में काम शुरू किया गया है । पहले शहर के २५ अलग-अलग प्लोट में पे एंड पार्किंग की घोषणा बाद एएमसी प्रशासन द्वारा अब और ४८ प्लोट में पे एंड पार्क शुरू करने की दिशा में कवायद शुरू की गई है। जिसके कारण सभी जोन में स्थानीय स्तर से वाहन पार्किंग के प्लोट मिल जायेंगे। इसके नागरिकों की वाहन पार्किंग की समस्या भी कुछ हद तक आगामी दिनों में आसान हो जाएगी । शहर में अब कुल ७३ पे एंड पार्क की सुविधा अहमदाबाद की जनता को मिलेगी । पहले प्रशासन द्वारा नागरिकों ने निकट के स्थल पर अपने वाहन पार्क करने की सुविधा मिले इसके लिए २५ प्लोट ढूढ़कर इसमें एक समान दर पर पार्किंग चार्ज वसूलने की कवायद शुरू की गई है।

कुछ ही दिनों में नागरिकों को यह सभी प्लोट में पे एंड पार्क का व्यवस्थित आयोजन वाली सुविधा मिलेगी । दूसरी तरफ हाल में हाईकोर्ट के समक्ष एएमसी प्रशासन ने प्रहलादनगर, सिंधु भवन सहित के पांच स्थल पर नये मल्टीस्टोरिड पार्किंग कॉम्प्लेक्स बनाने का आयोजन पेश करने के साथ-साथ ४८ नये पे एंड पार्क की व्यवस्था करने का आयोजन पेश किया गया।

सरकार ने ओइल मिलरों की तत्काल बैठक बुलाई

सींगतेल की कीमतों में वृद्धि होने से लोग परेशान

विशेष करके महिलाओं में नाराजगी की भावना : सरकार योग्य कीमत पर तेल उपलब्ध कराने के लिए दृढ़

अहमदाबाद । सींगतेल की कीमतों में हररोज वृद्धि हो रही है जिसे लेकर लोग परेशान हो चुके है। विशेष करके महिलाओं में तेल की कीमतों में वृद्धि को लेकर काफी नाराजगी फैल चुकी है। क्योंकि, त्यौहारों पहले ही तेल के डिब्बों में हररोज १० रुपये की वृद्धि दर्ज होने पर सिर्फ दस ही दिन में तेल के डिब्बा की कीमत बढ़कर १६०० पर पहुंच गया है । तेल की कीमतों को लेकर आगामी सावन महीना, रक्षाबंधन सहित के त्यौहारों पहले ही लोगों की चिंता बढ़ गई है और सरकार को तुरंत कीमत वृद्धि को नियंत्रण में लेने के लिए अनुरोध किया गया है । दूसरी तरफ, राज्य सरकार द्वारा तेल की कीमतों में दर्ज हुए वृद्धि को लेकर पूरे मामले को गंभीरता से लेकर राज्य के ओइल मिलरों की तत्काल बैठक बुलाने के मामले में विचार-विमर्श शुरू किया गया है । सामान्य रूप से, नाफेड द्वारा किसानों के पास समर्थन मूल्य पर मूंगफली खरीदी जाती है । यह मूंगफली नाफेड समय-समय पर बाजार में बेचती है । लेकिन हाल की परिस्थितियों में वृद्धि होने की वजह से मूंगफली के बाजार में वृद्धि होने का अनुमान है । जिसके कारण लोगों को मजबूरी से सींगतेल महंगी कीमत पर खाना पड़े ऐसी परिस्थिति का निर्माण हुआ है। नाफेड ने अपनी मूंगफली की बिक्री कीमत में २० किलो पर १०० से १२० रुपये तक की वृद्धि कर दी है। जिसकी सीधी असर बाजार और तेल की कीमतों पर पड़ रही है। इस दौरान इस मामले में खाद्य और आपूर्ति मंत्री जयेश रादडिया ने बताया है कि अधिकारियों को सूचना दी है कि तेल की आपूर्ति संग्रह करके काला बाजार करते व्यापारियों के वहां छापेमारी की जायेगी। किसी व्यापारी को जरूरत से ज्यादा तेल का जत्था जमा नहीं करने दिया जाएगा। त्यौहारों के दौरान गरीबों को योग्य कीमत पर तेल दिया जाएगा। सींगतेल डिब्बे की कीमत ३० जून को १५ किलो के अनुसार १४३० था और १५ लीटर की कीमत १३२० रुपया था इसी तेल की कीमत ३१ जुलाई को १५ किलो डिब्बे का १५७० से १५८० रुपये हो गया और १५ लीटर की कीमत १४५० से १४७० रुपये हो गया। जिसमें १२० रुपये की वृद्धि सिर्फ एक महीने में हुई।

पोलीटेकनीक में आपत्तिजनक लेक्चर विवाद में NSUI सामने आया

अहमदाबाद । शहर के आंबावाडी क्षेत्र में पांजरापोल के पास स्थित पोलीटेकनीक कॉलेज में हाल में ही हेकर्स विषय पर आयोजित लेक्चर में बाहर से बुलाये गये विशेषज्ञ वक्ता प्रोफेसर द्वारा विद्यार्थी-विद्यार्थिनियों और महिला प्रोफेसरों की उपस्थिति में अश्लील बातचीत और सनी लियोन से लेकर सविता भाभी के उदाहरण देने पर शिक्षाजगत में खलबली मच गई है । एक तरफ पोलीटेकनीक प्रशासन यह पूरी घटना को लेकर बचाव की भूमिका में आ गये है । दूसरी तरफ, अब विवाद बढ़ने से विद्यार्थी संगठन एनएसयूआई ने इस मामले में सामने आये है और यह पूरे विवाद में जरूरी हस्तक्षेप करके तुरंत कार्रवाई करने के लिए राज्य के शिक्षामंत्री और संबंधित प्रशासन को पत्र भेजा गया है।

गॉयनेकॉलाजिस्ट डॉक्टरों के लिए तालीम-परीक्षा अनिवार्य

अहमदाबाद । पीएनडीटी (प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेकनीकस) एक्ट यानी कि गर्भधारण के पहले और जन्म से पहले के निदान की कार्यपद्धति के कानून के मामले में गुजरात हाईकोर्ट ने गुरुवार को महत्वपूर्ण फैसला जारी करके सभी गॉयनेकॉलाजिस्ट डॉक्टरों के लिए तालीम और परीक्षा का प्रावधान को मंजूर करते हुए हुए सुप्रीम कोर्ट के फैसला और गाइंडलाइन्स कार्यान्वयन के लिए महत्व का आदेश दिया गया।

इतना ही नहीं, हाईकोर्ट ने पहले गॉयनेकॉलाजिस्ट डॉक्टरों के लिए अनिवार्य तालीम और परीक्षा के कार्यान्वयन के खिलाफ जारी किया गया स्टे भी हाईकोर्ट ने हटा लिया गया।

गुजरात हाईकोर्ट के फैसले की वजह से सोनोग्राफी मशीन रखना और चलाना चाहते राज्य के सभी गॉयनेकॉलाजिस्ट को तालीम लेकर परीक्षा देनी पड़ेगी। राज्य के गॉयनेकॉलाजिस्ट डॉक्टरों की तरफ से की गई रिट अर्जियों की सुनवाई में राज्य सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट द्वारा पीएनडीटी एक्ट के प्रावधानों को मंजूर करते हुए फैसला और इसमें जारी की गई गाइंडलाइन्स के मामले में गुजरात हाईकोर्ट को बताया गया। सरकार ने स्पष्ट किया है कि, खुद सुप्रीम कोर्ट ने पीएनडीटी एक्ट के प्रावधानों का पालन करने के लिए स्पष्ट सूचना दी है तब इसका गुजरात राज्य में भी कार्यान्वयन करना ही रहा और इसी वजह से हाईकोर्ट ने पहले दिया गया स्टे हटा लेना चाहिए। उल्लेखनीय है कि, पीएनडीटी एक्ट-१९९४ के तहत मुख्य प्रावधान के तहत बालक की जाति परीक्षण पर प्रतिबंध निश्चित किया गया है।जिसके तहत संबंधित जिले की अथॉरिटी के पास रजिस्ट्रेशन कराकर नियमों का पालन करना रहता है। गर्भ का जातिय परीक्षण हो सके ऐसे सभी साधन वाली संस्था को यह एक्ट के तहत रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। इसके अलावा सभी साधनों की खरीद-बिक्री, रिपेरिंग करनेवाले को हर ३ महीने में इस बारे में रिपोर्ट देना होता है।

महादेव मीडिया

रोहताश यादव 9924144499, 7015339195

वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)

हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।

304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com